https://kvsangathan.nic.in/ | @KVSHQ | @KVS_HQ | @kvshqr | KVS HQ

नई दिल्ली | के.वि.सं. (मु.)

संस्करण: जनवरी 2026
वर्ष-1, अंक- 7
4 पृष्ठ

केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

नववर्ष में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के नवसंकल्प

केन्द्रीय विद्यालय संगठन नववर्ष में नये आत्मविश्वास, सामूहिक संकल्प और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। गुणवत्ता, समावेशन और नवाचार को अपनी कार्यसंस्कृति का आधार बनाते हुए, के.वि.सं. शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण की अपनी गौरवशाली परंपरा को और अधिक सुदृढ़ कर रहा है। एक गतिशील, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप, संगठन भविष्य के लिए तैयार, सक्षम और मूल्यनिष्ठ शिक्षार्थियों के निर्माण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के अनुरूप, के.वि.सं. में दक्षता-आधारित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण तथा समग्र विकास को केंद्र में रखा गया है। आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आलोचनात्मक चिंतन, सृजनशीलता, बहुभाषी दक्षता और नैतिक मूल्यों का समावेश शिक्षण की पहचान बन रहा है। सुव्यवस्थित शैक्षणिक हस्तक्षेप, व्यक्तिगत शिक्षार्थी सहयोग और डेटा-आधारित योजना के माध्यम से बोर्ड परीक्षाओं में गुणात्मक सुधार पर बल दिया जा रहा है, जहाँ रटंत ज्ञान के स्थान पर गहन समझ और संकल्पनात्मक स्पष्टता को प्राथमिकता दी जा रही है।

इस शैक्षिक परिवर्तन की आधारशिला शिक्षक हैं। सतत व्यावसायिक विकास के अंतर्गत 50 घंटे का सीपीडी, लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, विद्यालय-आधारित मार्गदर्शन और नवाचारी शिक्षण पद्धतियों का सतत अभ्यास शिक्षकों को नीतिगत लक्ष्यों को कक्षा-स्तर पर प्रभावी रूप से साकार करने में सक्षम बना रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल उपकरणों, मूल्यांकन सुधारों, समावेशी शिक्षा और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण विधियों में क्षमता निर्माण से शिक्षक परिवर्तन के सशक्त संवाहक बन रहे हैं।

नववर्ष में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शिक्षण मंचों, कोडिंग तथा आईटी नवाचार के एकीकरण को और अधिक गति दी जाएगी, जिससे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अधिक व्यक्तिगत, रोचक और भविष्य-उन्मुख बने। प्रौद्योगिकी को एक सशक्त माध्यम के रूप में अपनाते हुए के.वि.सं. में समानता, पहुँच और गुणवत्ता को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

पीएम श्री विद्यालय योजना के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालयों को 'लाइट-हाउस संस्थानों' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो सतत अवसंरचना, स्मार्ट कक्षाओं, अनुभवात्मक अधिगम और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप श्रेष्ठ शैक्षिक प्रथाओं का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तथा देशभर की विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे।

नववर्ष के शुभारंभ के साथ, केन्द्रीय विद्यालय संगठन शिक्षार्थियों को और अधिक सशक्त बनाने एवं राष्ट्र को समृद्ध करने के अपने संकल्प को नई ऊर्जा, स्पष्ट उद्देश्य और अटूट प्रतिबद्धता के साथ पुनः दृढ़ करता है।

~ विकास गुप्ता
आयुक्त, के.वि.सं.

नवाचार की सोच, खेलों की शान
के.वि.सं. की दो होनहार बेटियों ने रचा इतिहास

के.वि.सं. संवाददाता
के.वि.सं. (मु.)

कुछ उपलब्धियाँ शोर के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराती हैं, जबकि कुछ वर्षों की अनुशासनबद्ध साधना, जिज्ञासा और साहस के साथ चुपचाप इतिहास रचती हैं। इसी प्रकार की मौन उत्कृष्टता का सशक्त उदाहरण इस वर्ष केन्द्रीय विद्यालय संगठन की दो छात्राओं ने पूरे देश के सामने प्रस्तुत किया।

केन्द्रीय विद्यालय आर.आर.एल., जोरहाट की आयशी प्रिषा बोहरा एवं केन्द्रीय विद्यालय डीआरडीओ की धिनिधि देसिंघु को वर्ष 2025 का प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार—जो बच्चों के लिए भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है—से अलंकृत किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया गया। इन छात्राओं की उपलब्धियाँ न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और परिश्रम का प्रमाण हैं, बल्कि यह भी दर्शाती हैं कि समर्पण और सतत प्रयास से कम आयु में भी असाधारण ऊँचाइयाँ हासिल की जा सकती हैं।

रद्दी से नवाचार तक, आयशी की विलक्षण प्रतिभा

केन्द्रीय विद्यालय आर.आर.एल. जोरहाट की कक्षा 9वीं की मेधावी छात्रा आयशी प्रिषा बोहरा ने अपनी असाधारण प्रतिभा, नवाचारशील सोच और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण से के.वि.सं. का नाम रोशन किया। आयशी को वर्ष 2025 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो बाल प्रतिभाओं को दिया जाने वाला देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार आयशी को प्राकृतिक खेती तथा अखबारों की रद्दी से पेंसिल निर्माण जैसे उपयोगी, नवोन्मेषी और पर्यावरण-अनुकूल प्रोजेक्ट्स पर उनके प्रेरक कार्य के लिए प्रदान किया गया। उनके नवाचार की विशेषता यह है कि वे कम लागत में, बिना बिजली के और स्थायी विकास की अवधारणा पर आधारित हैं, जो आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं। आयशी ने बताया कि उनका उद्देश्य ऐसे समाधान विकसित करना है, जो आम लोगों के लिए सुलभ हों और प्रकृति के अनुकूल हो।

अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा करते हुए आयशी ने बताया कि कक्षा 4 में उन्होंने इसरो के मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण की झलक पहली बार दिखाई। निरंतर प्रयास, जिज्ञासा और सीखने की ललक ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया।

पुरस्कार प्राप्ति के पश्चात प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात को लेकर आयशी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने उनके इनोवेशन को जानकर उन्हें प्रोत्साहित किया और उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया, जिससे उन्हें आगे और बेहतर कार्य करने की नई प्रेरणा मिली।

धिनिधि ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लहराया परचम

केन्द्रीय विद्यालय डीआरडीओ, बेंगलुरु की प्रतिभाशाली छात्रा धिनिधि देसिंघु ने अपनी असाधारण खेल प्रतिभा, अनुशासन और निरंतर परिश्रम के बल पर के.वि.सं. का मान बढ़ाया। उन्हें मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार बाल प्रतिभाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाने वाला देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

यह प्रतिष्ठित सम्मान धिनिधि को ओलंपिक 2024 में देश की दूसरी सबसे कम उम्र की तैराक के रूप में भाग लेकर इतिहास रचने, राष्ट्रीय स्तर पर तीन रिकॉर्ड तोड़ने तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 42 पदक जीतकर भारत का नाम वैश्विक मंच पर गौरवान्वित करने के लिए प्रदान किया गया। उनकी उपलब्धियाँ भारतीय खेल जगत में युवाओं की बढ़ती क्षमता और संभावनाओं को सशक्त रूप से रेखांकित करती हैं।

अपने खेल जीवन के बारे में बात करते हुए धिनिधि ने बताया कि उन्होंने मात्र 7 वर्ष की आयु में देश की सबसे कम उम्र की तैराक होने का गौरव प्राप्त किया था। निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और अपने लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण ने उन्हें एक के बाद एक उपलब्धियाँ दिलाईं। राष्ट्रपति द्वारा मिला यह सम्मान उनके लिए गर्व का विषय होने के साथ-साथ आगे और ऊँचाइयों तक पहुँचने की प्रेरणा भी है।

प्रधानमंत्री से हुई अपनी मुलाकात को साझा करते हुए धिनिधि ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उनकी प्रतिभा की सराहना की और भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देश का नाम और ऊँचा करने का आशीर्वाद दिया। धिनिधि ने कहा कि उनके यह प्रेरक शब्द मेरे लिए आगे की यात्रा में संबल बनेंगे।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने न केवल उनकी सफलता को साक्षी बनकर देखा, बल्कि उसे पूरे गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया।

और कहीं न कहीं, एक कक्षा और एक सम्मान मंच के बीच, दो नन्हीं बालिकाओं ने देश को यह दिखा दिया कि जब समर्पण चुपचाप विकसित होता है, तो सही समय पर वह सबसे उज्ज्वल रूप में चमकता है।

के.वि.सं. ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 63वाँ स्थापना दिवस

के.वि.सं. संवाददाता
के.वि.सं. (मु.)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने अपना 63वाँ स्थापना दिवस 15 दिसंबर 2025 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सभागार, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2, दिल्ली कैंट में हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय और के.वि.सं. के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद्, विद्यार्थी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे और संगठन की गौरवशाली यात्रा का स्मरण किया।

कार्यक्रम में श्री संजय कुमार, आईएएस, सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही सुश्री प्राची पांडे, उपाध्यक्ष, के.वि.सं. एवं संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत विभिन्न स्वायत्त संस्थाओं के प्रमुख भी उपस्थित थे। समारोह में उपस्थित जनसमूह का स्वागत करते हुए के.वि.सं. आयुक्त श्री विकास गुप्ता ने राष्ट्र-निर्माण में संगठन की परिवर्तनकारी भूमिका, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा नवाचार, समावेशन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर केंद्रित पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालयों के विस्तार पर प्रकाश डाला।

वहीं अपने संबोधन में श्री संजय कुमार ने केन्द्रीय विद्यालय संगठन को मानकीकृत एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक विश्वसनीय राष्ट्रीय ब्रांड बताया। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स द्वारा प्रदर्शित अनुशासित प्रदर्शन की सराहना की तथा जीवन में अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को रेखांकित किया, जो केन्द्रीय विद्यालयों की संस्कृति में गहराई से निहित हैं।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स द्वारा औपचारिक सलामी, के.वि. विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ तथा निम्नलिखित विषयों पर प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए-

- **पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय**
- **व्यावसायिक शिक्षा**
- **भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS)**
- **समावेशी शिक्षा**
- **मिशन LiFE**

महत्वापूर्ण प्रकाशनों का विमोचन:

- इनोवेट एंड एजुकेट – पीएम श्री के.वि. में सर्वोत्तम अभ्यास
- शैक्षिक विधियों पर पुस्तक (खंड–5)
- प्रशिक्षण एवं विकास सप्ताह स्मारिका
- के.वि.सं. कैलेंडर–2026

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालयों में 182 नवाचार एवं कौशल केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन भी किया गया, जिससे अनुभवात्मक एवं कौशल-आधारित अधिगम को और सुदृढ़ किया गया। समारोह का समापन "वंदे मातरम" के भावपूर्ण गायन के साथ हुआ, जिसने संगठन की सुदृढ़ विरासत और सशक्त नागरिकों के निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

"केन्द्रीय विद्यालय संगठन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक विश्वसनीय राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में उभरा है,"
-श्री संजय कुमार, सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय।

प्रेम, गर्व और अपनत्व की डोर में बंधा केन्द्रीय विद्यालयों के प्रति अटूट प्रेम

इस स्थापना दिवस पर, विश्व के कोने-कोने से उमड़ा प्रेम, स्नेह और भावनाओं का सैलाब हमें गहराई से भावविभोर कर गया।
हमने उस सामूहिक चेतना और आत्मीय भाव का उत्सव मनाया, जो हम सभी को एक मजबूत सूत्र में बाँधता है।
आगे बढ़ते रहने, बेहतर करते रहने और निरंतर प्रेरित रहने के लिए प्राप्त हर शब्द, हर भावना के प्रति हम हृदय से आभारी हैं।

Sanchari Sikdar
My first schooling kv @Borjhar Guwahati... Ohh Papon 🥰you also the ex kvian... Love ❤️ that's why 🙏 you are so soft kind
.. Dhunia manuh apuni.. Love being kvian ❤️ to ally kv friends... My school kv borjhar😍 and kv Saltlake No 1 kol..but my.. Best childhood in Assam jorhat.. Guwahati mohunbari.. Later kolkata..
Hum sab bharatiya hai.. Apni manzil ek hai.. 🥰🥰🥰

Nirmala Bhasin
"Happy Foundation Day to my beloved Kendriya Vidyalaya! ❤️I'm so grateful to have been a part of this incredible institution. KV has been more than just a school - it's a community ,Mini India that nurtured me, challenged me, and helped me grow into the person I am today.From the dedicated teachers who inspired me to learn and explore, to the friends who became like family, KV has given me memories and experiences that I'll always treasure. The values of discipline, excellence, and camaraderie that KV instilled in me have stayed with me throughout my life.On this special day, I want to express my heartfelt gratitude to the school K.V. Sunjuwan its staff, and my fellow alumni for being part of my journey. Here's to many more years of excellence and pride, KV! 🙏🙏🙏🌹🌹🌹

Uma Sheshadri
Feel so proud of you 👏 I was a KV student from grade 3 to 12th in various KVs of the country. I became a KV teacher teaching English for students from grade 6th to 10th and now I have retired. Even my son and daughter in law were KV students. Now my grand daughter is also studying in KV. I'm a proud KVian. My beat wishes on the occasion of foundation day.

Dr Prasant Rout @rprasant · Dec 15
Greetings of KV Foundation Day to KV students, teachers and alumni network. Both my daughters started schooling from KV IOC Haldia, then KV of Port Trust at Paradip and finally 10+2 from KV EME Vadodara. Both subsequently pursued MBA in premier institute of India . As a parent, thir transfer in KV from one state to another was hassle free at nominal cost of Rs 25/-, while my colleagues struggled for admission in private schools with heavy fees. KV has build resilience in them to handle all type situations of life. Unfortunately, many of affluent class prefer private schools with comfort now a days. KV legacy to build the career of many in Govt and transferable jobs mostly in armed forces will keep building the nation.

Rashmi Mishra
Proud to be KVian, proud that I am daughter of a KV teacher and feeling proud that my child is also a KVian
The knowledge that we get from KV help us to overcome all obstacles in our path and develop leadership character in all fields developmental work
I love my school my KV parivar
Jai Hind Jai Bharat 🙏

DrSanjeev Dhari Sinha
Great I had KVS Sports scholarship from KVS Kankerbagh and went **Alma Mater Kviit Madras** and I have changed Indian sports with US and German award it happened after KVS I was covering Asian school football and National netball in Puna and took interview of Pat Taylor and Dorthy Mcghue international president and secretary for DD sports I had covered Asian Sports medicine conference and took interview of **P S Mohan Chandran** president sports medicine India I had represented Indian in Asian games and world University and produced many international players now working in 12 countries and KVS Patna had two times gold ,my students of KVS got U S scholarship and I got German scholarship and worked in 4 countries I was invited by **Singapore Sports Council** International Olympics Aspire Doha FIBA Geneva Malaysia Sports authority Thailand and **NBA Africa** i was inducted in hall of fame I had worked in Bangkok Germany Bahrain and have been working in Libyan Govt University since 2009 .I had worked 17 years for free after KVS scholarship as gave international results .My players are working in ONGC RBI CISF and IIT Patna Loyola DPS KVS Bangalore it's all happened because of vision of KVS .I was best debator and best actor in KVS and took nine wickets in KVIIT Madras and represented national in Cricket and basketball and attended india camp in Bangalore after KVS RDSO .

Shyam Sunder Chamoli
Great, congratulations dear. We are proud of you and your achievement. I served in KV No. 1 Delhi Cantt as teacher, NCC officer and as SOC,
STC in KVS(Hqrs) during 1975 to 2000. I also served in NHQ Bharat Scouts and Guides as Director.
Being a Kvian i appreciate your sincerety, hardwork and dedication.
May God bless you in all future endeavours.

Indra Hirwani
सच में kvs ब्रेन of india hai ya यूं कहो सेलिब्रिटीज का जन्मदाता है kvs , I m very proud to be a kvians ❤️ kvs

संस्कृत प्रवाह

परोपदेशवेलायां शिष्टाः सर्वे भवन्ति वै।
विसमरन्तीह शिष्टत्वं स्वकार्ये समुस्थिते॥

अर्थः

दूसरों के कष्ट में पड़ने पर हम उन्हें जो उपदेश देते हैं,
स्वयं कष्ट में पड़ने पर उन्हीं उपदेशों को भूल जाते हैं।

नवीनतम प्रकाशन

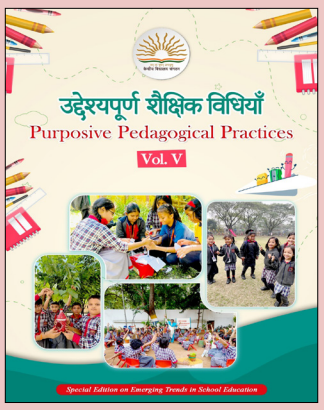

पढ़ने के लिए स्कैन करें

माह का वीडियो

देखने के लिए स्कैन करें!

1963 से केन्द्रीय विद्यालय संगठन की यात्रा पर विशेष वीडियो

के. वि. सं. जबलपुर संभाग की पहल

विचारणीय विचार

होने, न होने का क्रम, इसी तरह चलता रहेगा,
हम हैं, हम रहेंगे, यह भ्रम भी सदा पलता रहेगा।

~ अटल बिहारी वाजपेयी

स्पेशल स्टोरी

स्थापना दिवस

'तत् त्वं पूषन् अपावृणु' के साथ 63 वर्षों की प्रेरक गाथा

के.वि.सं. संवाददाता
■ *के.वि.सं. (मु.)*

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने अपनी स्थापना के छह दशकों से अधिक की यात्रा के दौरान भारतीय शिक्षा में एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। संगठन का मार्गदर्शक मंत्र ‘‘"तत् त्वं पूषन् अपावृणु" अर्थात् सत्य को प्रकट करने की प्रार्थना—आज भी केन्द्रीय विद्यालयों की शिक्षादृष्टि का मूल आधार बना हुआ है, जो ज्ञान, स्पष्टता, विनम्रता और प्रकाश का मार्ग प्रशस्त करता है।

केन्द्रीय विद्यालयों की समान व्यवस्था

केन्द्रीय विद्यालय संगठन की स्थापना वर्ष 1963 में मात्र 20 रेजिमेंटल विद्यालयों के साथ हुई थी। इसका उद्देश्य स्थानांतरणशील सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों को एक समान, स्थिर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना था। विभिन्न राज्यों, भाषाओं और सामाजिक पृष्ठभूमियों से आने वाले बच्चों को केन्द्रीय विद्यालयों में एक परिचित वातावरण, समान दिनचर्या और अपनापन मिला, जिससे वे देश के किसी भी कोने में विद्यालय में घर जैसा अनुभव कर सकें।

एक ऐसा मंच, जिसने सबको जोड़े रखा

आज देशभर में 1289 केन्द्रीय विद्यालय फैले हुए हैं हर एक अपने आप में एक लघु भारत की तस्वीर है । कश्मीर का बच्चा कन्याकुमारी के बच्चे के साथ एक ही बेंच साझा करता है। बोलियों का संगम होता है। त्योहार सीमाएँ लाँघते हैं। शुरू से ही के.वि.सं. ने अपना गहरा उद्देश्य पहचाना भारतीयता का संस्कार, राष्ट्रीय एकता का पोषण और विविध संस्कृतियों के बच्चों को एक छत के नीचे लाना। आज भी किसी भी केन्द्रीय विद्यालय में जाइए, यह दृश्य जीवंत दिखाई देगा। बोलियों का मेला। त्योहारों का संगम। किताबों के साथ-साथ एक-दूसरे से सीखते विद्यार्थी। हर केन्द्रीय विद्यालय भारत का सजीव चित्र है।

आत्मा को सँजोते हुए निरंतर विकास

परिवर्तन निरंतर और दृढ़ रहा है। कल की चॉक की धूल आज स्मार्ट बोर्ड की चमक में बदल चुकी है। जहाँ शिक्षक कभी सफेद चॉक से आरेख बनाते थे, आज विद्यार्थी एक स्पर्श से 3-डी मॉडल देखते हैं। एआई लैब्स संभावनाओं से गूंजती हैं। कोडिंग क्लब जिज्ञासु मस्तिष्कों को सृजनकर्ता बनाते हैं। डिजिटल पुस्तकालय कल्पना से परे दुनिया के द्वार खोलते हैं।

नई शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन

समय के साथ केन्द्रीय विद्यालयों ने शैक्षिक और तकनीकी नवाचारों को भी अपनाया है। पारंपरिक चॉक-बोर्ड आधारित शिक्षण से आगे बढ़ते हुए आज स्मार्ट कक्षाएँ, डिजिटल पुस्तकालय, एआई प्रयोगशालाएँ और कोडिंग क्लब विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप शिक्षण को अधिक अनुभवात्मक, विद्यार्थी-केंद्रित और जीवन से जुड़ा बनाया गया है, जिसमें शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं।

शिक्षा के साथ खेल और कला को महत्व

केन्द्रीय विद्यालयों में अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ खेल और कला को भी समान महत्व दिया जाता है। विद्यार्थियों की बहुआयामी प्रतिभाओं को पहचानते हुए उन्हें खेल, संगीत, नृत्य और अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जाते हैं, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

पीएम श्री के रूप में भविष्य का आगमन

पीएम श्री पहल के माध्यम से भविष्य की नई पटकथा लिख रहा है। विद्यालय हरित, भविष्य-तैयार और सतत परिसरों में परिवर्तित हो रहे हैं। छतों पर सोलर पैनल। वर्षा जल संचयन। स्मार्ट कक्षाएँ। नवोन्मेषी प्रयोगशालाएँ। ऐसे सीखने के परिवेश, जहाँ परंपरा और प्रौद्योगिकी एक-दूसरे के साथ सहअस्तित्व में हैं। ये विद्यालय भारतीय स्कूली शिक्षा के राष्ट्रीय आदर्श बनेंगे और आने वाले कल का मार्गदर्शन करेंगे।

देशभर की स्कूली शिक्षा के लिए आदर्श

वर्तमान में पीएम श्री योजना के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय संगठन भविष्य की शिक्षा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इसके तहत विद्यालयों को हरित, स्मार्ट और चिरस्थायी परिसरों में विकसित किया जा रहा है, जहाँ सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और नवाचारपूर्ण शिक्षण परिवेश उपलब्ध होंगे। ये विद्यालय देशभर में स्कूली शिक्षा के लिए आदर्श मॉडल के रूप में विकसित किए जा रहे हैं।

एक संगठन-लाखों कहानियां

केन्द्रीय विद्यालय संगठन की यह यात्रा केवल विद्यालयों और विद्यार्थियों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि उन लाखों कहानियों से जुड़ी है, जिनमें रक्षा कर्मियों, रेल कर्मचारियों और अर्धसैनिक बलों के बच्चों ने देश के हर हिस्से में शिक्षा के साथ अपनापन और आत्मविश्वास पाया है। संगठन ने अपने मूल संकल्प-सत्य को प्रकाश में लाने और ज्ञान का प्रसार करने को बनाए रखते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए उज्ज्वल मार्ग प्रशस्त करने का संकल्प दोहराया है।

एक विरासत, एक संकल्प: *भारत का स्वर्णिम गौरव, केन्द्रीय विद्यालय लाएगा।*

दिसंबर 2025 की झलकियाँ

कर्नाटक में खुला नया के.वि.

बेलगावी: कर्नाटक के बेलगावी जिले के अथानी में स्थित केन्द्रीय विद्यालय शिनाल को सिविल क्षेत्र के अंतर्गत प्रारंभ कर दिया गया है। यह विद्यालय 20 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत किए गए 57 नए केन्द्रीय विद्यालयों में से एक है। प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा भूमि के हस्तांतरण तथा उपयुक्त अस्थायी भवन की व्यवस्था पूर्ण होने के पश्चात यह विद्यालय शैक्षणिक सत्र 2026–27 से नियमित रूप से कार्य करना आरंभ करेगा। विद्यालय के संचालन से विद्यार्थियों को केन्द्रीय विद्यालय संगठन की मानकीकृत एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली का लाभ मिलेगा।

के.वि.सं. ने किया कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली: केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, (एनसीईआरटी) के सहयोग से 1 से 5 दिसंबर 2025 तक दिल्ली में मास्टर ट्रेनर्स के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम विकास विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया। इस कार्यशाला में 55 मास्टर ट्रेनर्स को ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के डिज़ाइन एवं विकास के लिए सशक्त किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप तैयार किया गया, जिसमें डिजिटल शिक्षण, नवाचार और प्रभावी ऑनलाइन शिक्षण रणनीतियों पर विशेष बल दिया गया।

के.वि. के विद्यार्थियों की बहुभाषी प्रस्तुतियों ने मोहा मन

नई दिल्ली: भारतीय भाषा उत्सव के अंतिम दिवस और महान कवि सी. सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर दिल्ली स्थित नेशनल बाल भवन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में के.वि.सं. के आयुक्त श्री विकास गुप्ता सहित अन्य गणमान्य अधिकारियों की उपस्थिति में केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी तथा विभिन्न राज्यों के लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। साथ ही, विद्यार्थियों ने कई भारतीय भाषाओं में कविता पाठ और गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों की इन प्रस्तुतियों ने उत्सव को न केवल भाषाई विविधता का जीवंत उदाहरण बनाया, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का सुंदर संगम भी प्रस्तुत किया।

एआई विद्या सेतु 1.0 ने गढ़े भविष्य के टेक लीडर्स

एआई विद्या सेतु 1.0, एक प्रमुख शैक्षिक पहल है जो छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के व्यावहारिक अनुभव से जोड़ती है। इस पहल ने देशभर के विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल और नवाचार की जागरूकता को बढ़ाया है। यह कार्यक्रम आईएचएफसी (टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब, आईआईटी दिल्ली) और केन्द्रीय विद्यालय संगठन के सहयोग से पीएम श्री योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तविक-दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए सशक्त बनाना, टीमवर्क को बढ़ावा देना और समस्या-समाधान कौशल को प्रोत्साहित करना था।

क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित राउंड में विद्यार्थियों की भागीदारी

संभाग	तिथि	टीमों की संख्या
भोपाल	5–6 दिसंबर 2025	63
हैदराबाद	8–9 दिसंबर 2025	64
देहरादून	8–9 दिसंबर 2025	52
जयपुर	12–13 दिसंबर 2025	58
गुवाहटी	12–13 दिसंबर 2025	51

चमकते सितारे

राष्ट्रपति ने किया सौम्यजीत को सम्मानित

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय ढेंकानाल के विद्यार्थी सौम्यजीत मलिक ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण चित्रकला प्रतियोगिता (NECA 2025) के ग्रुप–बी वर्ग में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। सौम्यजीत की इस कलाकृति को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने वाला सशक्त संदेश मानते हुए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रजत पर निशाना

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 जालाहल्ली में कक्षा 12वीं के छात्र धैर्य समाहित नवीन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और के.वि.सं. को गौरवान्वित किया। धैर्य ने 8 से 13 दिसंबर 2025 तक दक्षिण अफ्रीका में आयोजित UIPM विश्व चैम्पियनशीप में अपने अन्य दो सहयोगियों के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अंडर–19 बालक ट्रायथलॉन वर्ग में रजत पदक हासिल किया।

दुबई में लहराया के.वि. का परचम

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र हीर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय एवं देश का परचम लहराते हुए 2 कांस्य पदक अपने नाम किए। दुबई के हमदान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 28वीं दुबई इन्विटेशनल शॉर्ट कोर्स चैंपियनशिप में हीर ने तैराकी के 500 और 100 मीटर के बटरफ्लाई वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

शुभ्रांशिनी अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा शुभ्रांशिनी प्रियदर्शिनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय एवं देश का परचम लहराया। दुबई के हमदान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स आयोजित 28वीं दुबई इन्विटेशनल शॉर्ट कोर्स चैंपियनशिप में उन्होंने तीन पदक अपने नाम किए। जिसमें 400 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक, 200 मीटर बटरफ्लाई में रजत पदक और 100 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक शामिल है।

दक्षता और संतुलन का बेजोड़ प्रदर्शन

पीएम श्री के.वि., पिकेट, सिकंदराबाद के विद्यार्थियों ने 63वीं राष्ट्रीय रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं के.वि.सं. परिवार का नाम रोशन किया। विशाखापट्टनम में आयोजित इस प्रतियोगिता में अद्रिक मुथार, वाई. संचित चौधरी और के. अभिषेक बाबू ने अपनी दक्षता, संतुलन और निरंतर अभ्यास का शानदार परिचय दिया।

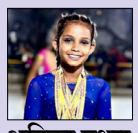

अद्रिका मुथार
3 स्वर्ण और 1 रजत

वाई संचित चौधरी
2 स्वर्ण, 1 रजत तथा 1 कांस्य

के. अभिषेक बाबू
2 रजत और 1 कांस्य

'रीक्लेम कॉन्स्टीट्यूशन क्विज़' के फाइनल में के.वि. की एन्ट्री

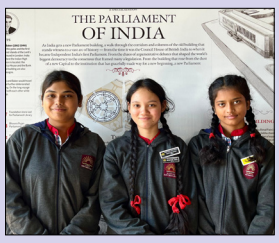

केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी गुवाहटी की टीम ने 'रीक्लेम कॉन्स्टीट्यूशन क्विज़' के लेवल-2 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर के शीर्ष पाँच विद्यालयों में स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में 200 विद्यालयों के 1,500 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर आर्ट, कल्चर एंड डेमोक्रेसी के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में काजल बोरो, हिमानी दास और बंदिता डेका की टीम ने विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 26 जनवरी 2026 को बेंगलुरु में आयोजित होगा।

स्वेथाश्री ने शब्दों में पिरोए अटल विचार

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय डीजीक्यूए की छात्रा यू. स्वेथाश्री ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर भारत की संसद में उनके जीवन, विचारों और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर प्रभावशाली भाषण दिया। उनका यह संबोधन लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और उत्कृष्ट भाषण-कला का शानदार उदाहरण रहा।

राष्ट्रीय चैम्पियनशीप में स्वर्ण पदक

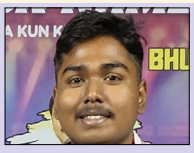

केन्द्रीय विद्यालय गुवाहटी में कक्षा 12वीं के छात्र ब्रिजेश कुमार ढेका ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित नेशनल WAKO इंडिया किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप की जूनियर श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। ब्रिजेश ने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर समस्त के.वि.सं. परिवार को गौरवान्वित किया।

स्वर्ण पर निशाना

केन्द्रीय विद्यालय अकामपात की प्रतिभाशाली छात्रा चानम लुचिंगबी ने राज्य स्तरीय जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। मणिपुर जिम्नास्टिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में चानम ने बैलेंसिंग बीम और फ़्लोर व्यायाम की छोटी बालिका वर्ग प्रतियोगिताओं में अपनी अद्भुत लचक, संतुलन और तकनीक का प्रदर्शन करते हुए सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

राष्ट्रीय फिन स्विमिंग में शानदार प्रदर्शन

केन्द्रीय विद्यालय भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु की छात्रा पी. कृतिका ने 19 से 22 दिसंबर 2025 तक आयोजित 5वीं राष्ट्रीय फिन स्विमिंग चैंपियनशिप 2025 उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अंडरवॉटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (USFI) के तत्वावधान में आयोजित की गई थी।

निबंध प्रतियोगिता में के.वि. के छात्रों ने लहराया परचम

नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन और विरासत विषय पर आधारित प्रतियोगिता में केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता अर्जित कर संगठन का नाम गौरवान्वित किया। के.वि. के विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विजेता प्रतिभागी

प्रथम पुरस्कार
अवि सैनी
विद्यालय- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय

तृतीय पुरस्कार
जयना सिंह
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय जेएनयू

द्वितीय पुरस्कार
मनीषा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय

69वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स 2025-26

तैराकी में अक्षज ने जीता रजत
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एमईजी एवं सेंटर, बेंगलुरु के प्रतिभाशाली छात्र अक्षज ठाकुरिया ने 69वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर के.वि.सं. का गौरव बढ़ाया। अखशज ने यह पदक तैराकी के बालक वर्ग में 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में अपने उत्कृष्ट कौशल, गति और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए प्राप्त किया।

लंबी कूद और त्रिकूद में परचम
पीएम श्री के. वि. चामिराजनगर, बेंगलुरु के छात्र मैनविथ एन ने 69वें नेशनल स्कूल गेम्स 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हरियाणा के भिवानी में आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मैनविथ ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का शानदार प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ लंबी कूद में कांस्य पदक जीता, बल्कि त्रिकूद में भी अपने कौशल का परिचय देते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

तैराकी में अद्भुत प्रतिभा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र मानस प्रतिम बैश्य ने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए के.वि.सं. का गौरव बढ़ाया। उन्होंने 69वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स में तैराकी की 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में अद्भुत साहस, तकनीक और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

रजतिम सफलता
केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 मदुरै, चेन्नई की प्रतिभाशाली छात्रा बी. समीक्षा ने 69वें नेशनल स्कूल गेम्स में अपने उत्कृष्ट कौशल का परिचय देते हुए समस्त के.वि.सं. परिवार को गौरवान्वित किया। मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में समीक्षा ने ओपन साइट राइफल 10 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया।

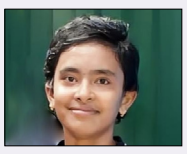

बैडमिंटन में स्वर्णिम सफलता
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पिकेट, सिकंदराबाद में कक्षा 8वीं की छात्रा सुरगानी मनस्वी ने 69वें नेशनल स्कूल गेम्स में बैडमिंटन अंडर–14 बालिका वर्ग में अपने अद्भुत कौशल, अनुशासन और तकनीकी दक्षता का प्रभावशाली परिचय देते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

धिनिधी की उत्कृष्ट खेल प्रतिभा
केन्द्रीय विद्यालय डीआरडीओ, बेंगलुरु की होनहार छात्रा धिनिधि देसिंघु ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए 69वें नेशनल स्कूल गेम्स की अंडर-17 स्विमिंग एवं डाइविंग स्पर्धा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में धिनिधि ने 200 एवं 100 मीटर फ्रीस्टाइल में प्रथम तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल में द्वितीय स्थान पर रहीं।

जीवांश ने लहराया परचम
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम, बेंगलुरु के प्रतिभाशाली छात्र सुब्रमण्यम जीवांश ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए के.वि.सं. का नाम रोशन किया। उन्होंने 69वीं राष्ट्रीय स्कूल गेम्स में तैराकी के अंडर-17, 200 मीटर बटरफ्लाई वर्ग में अद्भुत प्रदर्शन कर रजत पदक अपने नाम किया।

संरक्षक: विकास गुप्ता, *आईएएस*, आयुक्त, के.वि.सं.
प्रधान संपादक: चंदना मंडल, अपर आयुक्त (शै.)

संपादक मंडल: डि. मणिवण्णन, संयुक्त आयुक्त (शै.)
रत्ना पाठक, सहायक शिक्षा अधिकारी
सचिन राठौर, सहायक संपादक

सहभागी: समस्त केन्द्रीय विद्यालय

सभी संभाग अपनी टिप्पणी और विशेष स्टोरी निम्न मेल आईडी पर भेज सकते हैं:
kvschronicle@gmail.com

© केन्द्रीय विद्यालय संगठन
यह ई-प्रकाशन केवल आंतरिक वितरण हेतु के.वि.सं. (मु.) द्वारा प्रकाशित।